नर्मदांचल

नवभारत

भोपाल, शनिवार, 21 मार्च , 2026

एक नजर

नरवाई न जलाकर उसका उचित वैज्ञानिक प्रबंधन करना चाहिए

नर्मदापुरम/20,मार्च,2026/ नरवाई प्रबंधन पर जिले के किसानों का एक सकारात्मक दृष्टिकोण पूरे जिले में देखने को मिल रहा है जहां किसानों द्वारा विभिन्न आधुनिक कृषि यंत्रों के माध्यम से फसल अवशेषों का उचित प्रबंध कर उनका निस्तारण किया जा रहा है। किसानों द्वारा मल्चर रोटावेटर स्ट्रॉ रीपर सहित अन्य कृषि यंत्रों के माध्यम से भूसा बनाने का कार्य किया जा रहा है ।कई किसान इन अवशेषों से भूसा तैयार कर पशुपालन में उपयोग कर रहे हैं। जिन किसानों को अपने खेतों में फसल कटाई के बाद बचे हुए फसल अवशेष से भूसा तैयार नहीं करना है उनके द्वारा मल्चर एवं रोटावेटर का उपयोग कर खेत को अगली फसल के लिए तैयार किया जा रहा है जो की कम समय में संपन्न हो जाता है। इसके साथ ही इससे मिट्टी की उर्वरता क्षमता को भी बल मिलता है तथा फसल अवशेष के ना जलने से पर्यावरण को भी किसी प्रकार का नुकसान नहीं होता है तथा अन्य किसी भी प्रकार की जान माल की क्षति भी नहीं पहुंचती। आधुनिक कृषि यंत्रों से तैयार किए गए खेत आगे चलकर फसल प्रबंधन के लिए भी उपयुक्त साबित होते है। जिले के अलग-अलग विकासखंड के किसानों द्वारा नरवाई प्रबंधन के लिए उपयोग किए जाने वाले कृषि यंत्रों तथा नरवाई प्रबंधन के लिए अपनाई जाने वाली विधि भी अन्य किसान भाइयों के साथ साझा किया रही है जिससे अन्य किसान भाई भी नरवाई जलाने जैसी पर्यावरण विरोधी गतिविधि को त्याग कर कृषि तकनीकों के माध्यम से खेती करने की पद्धति को अपनाए। विकासखंड सिवनी मालवा के ग्राम रिछी के कृषक श्री गुरु प्रसाद गुर्जर ने बताया कि उनके द्वारा विगत कई सालों से नरवाई का कृषि यंत्रों की सहायता से प्रबंध किया जा रहा है।

रोटी, कोयला, लकड़ी, गैस, डीजल हुए महंगे

दिखने लगा ईरान - अमेरिका - इजराईल के युद्ध का असर, सब कुछ हुआ महंगा

लौट आए पुराने दिन

नवभारत न्यूज
इटारसी, 20 मार्च 2026 युद्ध का असर पूरे भारत देश के अलावा नर्मदापुरम जिला भी अछूता नहीं है. आमजन की रोटी कपडा और मकान सभी महंगे होते चले जा रहे हैं. होटलों पर कर्मिशियल गैस सिलेंडर की कमी को दिखाते हुए सख्त निर्देश दिये हैं कि आपको व्यापार करने के लिये गैस का उपयोग नहीं करना है. इसको लेकर होटल व्यवसायियों ने अपने पुराने पैटर्न पर लकडी, कण्डा, कोयला, सभी कुछ महंगे हो गये हैं. लकडी कोयला व्यापारी मनजीत सिंह सलूजा का कहना है कि लकडी, पत्थर का कोयला के रेटों में लगभग 500 से 1000 रूपये टन के हिसाब से रेट बढ गये हैं वहीं राजेश पंजाबी ने बताया कि रेलवे ठेकेदारों ने पहले ही लकडी और पत्थर के कोयले खरीद लिये थे जिसके कारण आम जनों को अब यह भी मिलना मुश्किल होगा. सरकार को इस ओर उचित कदम उठाकर गरीब लोगों को कोयला, लकडी, के बढ रहे दामों पर अंकुश लगाने का कार्य करना चाहिए.

सुख भरे दिन बीते रे भैया, अब मुश्किल आयो रे...
आम जनता आये दिन कभी गैस की लाईन में तो अब पेट्रोल डीजल की लाईन के साथ कोयला, लकडी की लाईन में भी खडा होना पडेगा. युद्ध के कारण सरकार की सारी तैयारियों पर पानी फिर चुका है. अवसर का लाभ उठाने वाले व्यापारी इन दिनों भारी स्टॉक इक्ठठा कर अपनी कमाई को बढा रहे हैं और वे कहते हैं कि हम सरकार के प्रतिनिधियों को भी इसका हिस्सा पहुंचाते हैं इसलिये हम सुरक्षित हैं.

घंटाघर की बुलंद आवाज रहे क्रांतिकारी को किया नमन

नवभारत न्यूज
हरदा, 20 मार्च जमना जैसानी फाउंडेशन के तत्वाधान में लोकतंत्र सेनानी, क्रांतिकारी नेता एवं वरिष्ठ पत्रकार स्व. जमना प्रसाद जैसानी की पुण्य स्मृति में जैसानी चौक पर भावभीनी श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनों ने मोमबत्ती जलाकर एवं प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं जैसानी जी अमर रहें के नारों के साथ हुई। फाउंडेशन के सदस्य अनिल वैद्य ने कहा कि गत 15 वर्षों से जमना जैसानी फाउंडेशन द्वारा निरंतर उनकी स्मृति में श्रद्धांजलि सभा एवं सम्मान समारोह आयोजित किया जा रहा है, जो समाज के प्रति उनके योगदान को जीवंत बनाए हुए है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार महेश कौशिक, वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. श्रीरंग मजूमदार, प्रदेश संयोजक डॉ. विशाल सिंह बघेल, नंदवाना समाज अध्यक्ष वीरेंद्र नंदवाना, पार्षद मनोज महलवार, आउटसोर्स जिला अध्यक्ष वीरेंद्र भाटी, समाजसेवी राजेंद्र भावसार, संरक्षक चंद्रकांत शुक्ला एवं सर्व ब्राह्मण समाज अध्यक्ष सुनील तिवारी उपस्थित रहे। वरिष्ठ पत्रकार महेश कौशिक ने स्व. जैसानी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने अपनी लेखनी से भी क्रांति का कार्य किया और वे अद्वितीय व्यक्तित्व के धनी थे।

डॉ. श्रीरंग मजूमदार ने कहा कि स्व. जैसानी सदैव गरीब एवं शोषित वर्ग की मदद के लिए तत्पर रहते थे और आज उनके पुत्र उसी परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। डॉ. विशाल सिंह बघेल ने कहा कि क्रांतिकारी विचार किसी एक व्यक्ति तक सीमित नहीं होते, बल्कि वह एक विचारधारा होती है जिसे आगे बढ़ाना हम सभी का दायित्व है।

अब तक 3278 बालिकाओं को लगी एचपीवी वैक्सीन

नर्मदापुरम/20,मार्च,2026/ महिलाओं में तेजी से बढ़ रहे सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने और इससे बचाव के उद्देश्य से जिले में विशेष एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमावायरस) टीकाकरण सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। शुक्रवार को आयोजित टीकाकरण सत्र में 640 बालिकाओं ने एचपीवी का टीका लगवाकर सुरक्षित भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नरसिंह गेहलोत ने जानकारी देते हुए बताया कि अब तक नर्मदापुरम जिले में 14 से 15 वर्ष आयु की 3278 बालिकाओं ने एचपीवी वैक्सीन का डोज लगवाया है। सभी बालिकाएं पूरी तरीके से स्वस्थ हैं तथा किसी भी प्रकार की कोई स्वास्थ्य संबंधी समस्या उन्हें वैक्सीन के बाद नहीं हुई है।

पुण्य स्मरण से सौभाग्य बदल जाता है, प्रारब्ध के दोष दूर हो जाते हैं-आचार्य पं सोमेश परसाई

नवभारत न्यूज
नर्मदापुरम, 20 मार्च पुण्य स्मरण से सौभाग्य बदल जाता है, प्रारब्ध के दोष दूर हो जाते हैं। जिनके नाम में राम जुड़ जाता है वह धर्म और समाज में उनका अलग ही प्रभाव रहता है।

शिक्षाविद न्यायविद पं रामलाल शर्मा कक्काजी एक संत की तरह रहे हैं और संत का कभी अंत नहीं होता है। उनके सुपुत्रों में उनके पूरे परिवार में उनके दिए हुए संस्कार की झलक दृष्ट्रव्य होती है। यह उद्गार धर्माचार्य पं सोमेश परसाई ने नर्मदा महाविद्यालय में पं रामलाल शर्मा की भव्य प्रतिमा के समक्ष आयोजित पं रामलाल शर्मा की पुण्यतिथि पर आयोजित पुण्य स्मरण सभा में पुष्पांजलि अर्पित करते हुए अपने संबोधन में व्यक्त किए। शास नर्मदा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ रामकुमार चौकसे ने कहा कि कक्काजी सच्चे अर्थों में कर्मयोगी थे। उनकी कर्मशीलता, धर्मपरायणता, समाजसेवा, व शिक्षा के प्रति समर्पण सभी के लिए प्रेरणास्पद है। उनके द्वारा जो नर्मदा महाविद्यालय की स्थापना की जिसमें शिक्षा लेकर अनेक छात्रों ने अध्ययन करते हुए श्रेष्ठतम स्थान प्राप्त किए हैं। हम सौभाग्यशाली हैं कि इस महाविद्यालय में सेवा देने का कार्य कर रहे हैं। हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो डॉ केजी मिश्र ने कहा कि वास्तव में कक्काजी युगदृष्टा व युगसृष्टा थे। सच्चे अर्थों में मनुष्य थे। न्याय के मर्म को जानते थे। उनमें उदारता के भी अद्रभुत गुण थे। सर्व समर्थ थे। किसानी और किसानों के हित को भी वह बखूबी निभाते थे।पं शर्मा के पौत्र डॉ वैभव शर्मा ने कहा कि दादाजी को मैने देखा तो नहीं लेकिन उनके बारे में जो बताया जाता है उनमें अदम्य शक्ति थी।

रामराज्य सिर्फ सरकारों से नहीं आएगा : ओंकारानंद

नवभारत न्यूज
इटारसी, 20 मार्च संपूर्ण नर्मदांचल की आस्था के प्रमुख केंद्र श्री द्वारकाधीश बड़ा मंदिर परिसर तुलसी चौक में 63वे वर्ष में श्री रामजन्म महोत्सव अंतर्गत श्रीराम कथा का आयोजन किया जा रहा है। मंदिर परिसर में प्रतिदिन धार्मिक आयोजन हो रहे हैं। इस वर्ष श्रीमद प्रयाग पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी ओंकारानंद सरस्वती जी महाराज बाल्मीकि एवं तुलसीदासकृत रामायण पर प्रवचन दे रहे हैं। आयोजन समिति के मुख्य संरक्षक क्षेत्रीय विधायक डॉ सीतासरन शर्मा एवं संरक्षक प्रमोद पगारे पत्रकार के मार्गदर्शन में श्री द्वारकाधीश मंदिर परिसर में श्रीराम कथा के द्वितीय दिवस शुक्रवार को व्यासपीठ पर विराजे महाराज श्री का स्वागत एवं पूजन समिति के अध्यक्ष नीरज जैन, कार्यकारी अध्यक्ष विपिन चांडक, उपाध्यक्ष विष्णु शंकर पांडे, सचिव अभिषेक तिवारी, संयुक्त सचिव शैलेन्द्र दुबे, कोषाध्यक्ष प्रकाश मिश्रा, सहकोषाध्यक्ष अमित सेठ, देवेंद्र पटेल, एमएल गौर, दिनेश सैनी, पतंजलि परिवार, रेवांचल गौर कुर्मी क्षत्रिय समाज, सेन समाज सहित अन्य लोगों एवं आयोजन समिति के सदस्यों ने किया। व्यासपीठ से संबोधित करते हुए महाराज श्री ने कहा कि अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य और ऐतिहासिक मंदिर बन चुका है। रामराज्य की कल्पना सभी को है रामराज आना भी चाहिए पर अकेले सरकारों के भरोसे रामराज नहीं आएगा.

मातृ शक्ति संगम शौर्य दिवस का भव्य आयोजन

हरदा स्थानीय राजपूत छात्रावास में राजपूत महिलाओं के द्वारा भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की संचालक जयंती चौहान ने बताया कि प्रतिवर्ष महिला दिवस के उपलक्ष्य में मातृशक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है यह इस कार्यक्रम आयोजन का 11 वां वर्ष था। इस वर्ष रानी पद्मिनी के जौहर को दृष्टिगत रखते हुए शौर्य दिवस मनाया गया जिसके अंतर्गत भारत की महान नारियों की महिमा का चित्रण किया गया। उन्होंने बताया कि वैसे तो वैदिक काल और ऐतिहासिक काल से लेकर आधुनिक काल तक अनेक महान क्षत्राणियां हुई हैं जिन्होंने अपने प्रेम, त्याग, तपस्या, बलिदान से अपना नाम इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित किया है। किंतु कार्यक्रम की लघु समयावधि को देखते हुए सभी का चित्रण कर पाना असंभव था अत: कुछ महान विभूतियों को ही कार्यक्रम की सांस्कृतिक प्रस्तुति में समाहित किया ।जिनमें माता महालक्ष्मी मां सरस्वती मां काली सहित नौ देवियों का चित्रण किया गया। रानी पद्मिनी जिन्होंने 16000 रानियों के साथ जौहर किया था उनका चित्रांकन किया गया। हाड़ी रानी जिन्होंने अपने पति को राष्ट्र धर्म की शिक्षा देने के लिए अपना शीश स्वयं काट कर थाल में सजा दिया था उनका चित्रण किया गया। सैकड़ो मंदिरों का जीर्णोद्धार करके भारतीय संस्कृति को पुर्नजीवंत किया जा रहा है.

माहेश्वरी महिला संगठन के नवीन पदों का चयन हुआ

नवभारत न्यूज
पिपरिया, 20 मार्च पूर्वी मध्यप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन की नवीन पदो की चयन प्रक्रिया माहेश्वरी भवन साडिया रोड पर पर्यवेक्षक पूर्व राष्टीय अध्यक्ष कल्पना गगरानी,चुनाव अधिकारी प्रदेश की पूर्व अध्यक्ष प्रतिभा झंवर की उपस्थिति में नवीन पदो की चयन प्रक्रिया संपन्न हुई। इस दौरान अध्यक्ष राजश्री राठी पिपरिया,सचिव रेणु झंवर ग्वालियर, कोषाध्यक्ष प्राची मूंदडा भोपाल, संगठन मंत्री शिखा जावंधिया बनखेडी का चयन हुआ। इस दौरान पूर्वी मप्र माहेश्वरी महिला संगठन के चार संभाग के पदाधिकारियों का भी चयन हुआ। संभागो का चयन- नर्मदापुरम संभाग से उपाध्यक्ष कविता चांडक, संयुक्त मंत्री सरला माहेश्वरी,सांस्कृतिक मंत्री नीलम भूतडा,भोपाल संभाग से उपाध्यक्ष सत्यभामा मंत्री,संयुक्त मंत्री संतोष गंगरानी,सांस्कृतिक मंत्री दीपिका सुरजन,ग्वालियर संभाग से उपाध्यक्ष निधि माहेश्वरी, संयुक्त मंत्री भारती भूतडा, सांस्कृतिक मंत्री मधु माहेश्वरी,जबलपुर संभाग से उपाध्यक्ष सुचिता राठी, संयुक्त मंत्री मोना मालानी,सांस्कृतिक मंत्री दीप्ति जेठा का चयन हुआ। वरिष्ठ पदाधिकारियों ने दिया मार्गदर्शन- अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की पूर्व अध्यक्ष व पर्यवेक्षक कल्पना गगरानी ने इस अवसर पर चयन प्रक्रिया को लेकर विस्तार से जानकारी देते हुए समाज संगठन में वरिष्ठजन के मार्गदर्शन में काम को कैसे करे साथ ही एक जुट होकर कार्य करने से बडे से बडे काम कैसे हो जाते है पता ही नही चलता। यह जानकारी देते हुए आपने कहा कि यही तो असली संगठन की पहचान होती है। हर क्षेत्र में सबका आगे रहना,हर सदस्य का जिम्मेदारी से कार्य करना ही माहेश्वरी समाज की पहचान है।इस दौरान चुनाव अधिकारी व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा झंवर ने नवीन पदो पर चयनीत होने पर पदाधिकारियों को बधाई देते हुए आगामी कार्यकाल के दौरान अच्छे से अच्छा कार्य करने हेतु आव्हान किया। समाज में चल रही विभिन्न योजनाओं के बारे में भी विस्तार से जानकारी देते हुए आपने कहा कि योजनाओं का लाभ समाज के जरूरतमंदो को मिलना चाहिये। यह कार्य का दायित्व हम सभी का है। इस दौरान अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की संयुक्त मंत्री अनिता जावंधिया ने पदाधिकारियों के कर्तव्यों को विस्तार से बताते हुए अखिल भारतीय स्तर पर महिला संगठन के द्वारा किये जा रहे कार्यो के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रंजना बाहेती,दुर्गा गट्टानी,बीना मूंदडा, आशा मालपानी,अध्यक्ष अरूणा मूंदडा, सचिव पिंकी राठी, किरण हुरकट, साधना घुरका,दीपा मालपानी, अंजू घुरका, पायल बल्दुआ, हेमा मोहता,किरण मूंदडा, पदमा राठी, मंजू झंवर की विशेष उपस्थिति रही। चयन प्रक्रिया के दौरान कार्यक्रम को सफल बनाने में नीलम भूतडा,सीमा गट्टानी, शुभांगी, सदस्य उपस्थित रहे। संचालन प्रीति भूतडा ने, आभार सचिव पिंकी राठी ने व्यक्त किया।

हर्षोल्लास से मनाई महर्षि गौतम जी की जयंती

हरदा, 20 मार्च 2026 श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज के आराध्य महर्षि गौतम ऋषि जी की जयंती इंदौर रोड़ स्थित गौतम आश्रम में बडे ही हर्षोल्लास से मनाई गई। महर्षि गौतम ऋषि के चित्र पर माल्यार्पण किया गया । तद्गरान्त समाजिक बंधुओं के द्वारा मंत्रोच्चार से विधि विधान से पूजन आरती कर प्रसादी का वितरण किया गया। सभी सामाजिक बंधुओं ने महर्षि गौतम ऋषि की जयंती की बधाई दी।

देवभूमि भारत शक्तियों का देश, इनामी घेराबाजी गम्मत प्रतियोगिता संपन्न

नवभारत न्यूज
सिवनी मालवा सिवनी मालवा में विश्व हिंदू परिषद के संरक्षण एवं जागृत हिंदू संस्कृति रक्षक मंच के तत्वावधान में आयोजित विराट ईनामी घेराबाजी गम्मत प्रतियोगिता का भव्य समापन हुआ। समापन अवसर पर मां नर्मदा के वरद पुत्र, सिद्ध महायोगी पूज्य दादा गुरु के सानिध्य में विशेष प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित कर विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। दो दिन चली प्रतियोगिता में प्रदेश के 12 नामी घेरा मंडलों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। आयोजन समिति द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मंडलों को पुरस्कृत किया गया, जिनमें प्रमुख रूप से श्री नागराज मंडल इटारसी, श्री शिवशक्ति मंडल श्यामू गांव, श्री संत सिंगाजी मंडल राला, श्री राधाकृष्ण मंडल जीजलवाड़ा, श्री सांवरिया मंडल घनेरा, श्री बाल योगेश्वर मंडल रानीपुर, श्री नर्मदा मंडल जाजना, श्री राम मंडल कुसुमकुई, श्री बालकृष्ण मंडल भंवरली एवं श्री कृष्ण मंडल बदनावर शामिल रहे।

एक तिथि, एक त्योहार कैलेंडर का हुआ विमोचन, धर्मशास्त्रीय तिथियां मान्य

नवभारत न्यूज
हरदा,20 मार्च त्यौहार की तिथियों में असमंजस को दूर करने के उद्देश्य से सर्व ब्राह्मण समाज संगठन के आह्वान पर जिला ज्योतिष परिषद् द्वारा विगत दिनों ज्योतिष क्षेत्र के विद्वान,पंडितों की बैठक आयोजित कर दो दो तिथियों की स्थिति में स्थानीय गणना के आधार पर सर्व सम्मति से एक तिथि एक त्यौहार कैलेंडर तैयार किया गया था ।जिसका चैत्र प्रतिपदा,हिंदू नव वर्ष के उपलक्ष्य में गुरुवार को परशुराम चौक पर पूजन कर विमोचन किया गया ।इस दौरान पंडित मुरलीधर व्यास ने बताया कि हर शहर अक्षांश देशांश पर स्थित है,पूर्वोत्तर क्षेत्र,मध्य क्षेत्र,पश्चिम क्षेत्र में सूर्योदय में अंतर होता है,इसके चलते पंचांग में गणना अनुसार तिथियों में अंतर होता है ।वहीं पंचांग का निर्माण अलग अलग सिद्धांतों पर होता है ।उन्होंने कहा कि तिथियों का निर्धारण स्थानीय विद्वान पंडितों द्वारा करना चाहिए। नासा एवं गूगल द्वारा बताई तिथियों के बजाय धर्म शास्त्रीय आधार पर तिथि मानना उचित होता है ।विमोचन कार्यक्रम के दौरान सर्व ब्राह्मण समाज संगठन के अध्यक्ष सुनील तिवारी, कार्यकारी अध्यक्ष आचार्य पंडित ओमप्रकाश पुरोहित, चंद्रकांत शुक्ला,वरिष्ठ समाजसेवी लक्ष्मीनारायण बादर (मुन्ना बादर), उपाध्यक्ष रोहित तिवारी, मिडिया प्रभारी अखिलेश पाराशर, नगर अध्यक्ष दीपक शुक्ला,मनीष व्यास,युवा इकाई अध्यक्ष विवेक बादर, सुदीप मंडलोई, सचिव नवीन शर्मा,प्रतीक शर्मा ,दीपक चौबे,शशिभूषण जोशी सहित समाजजन उपस्थित थे।

15 बारासिंघा मटकुली के धारगांव बाड़े में छोड़े

पिपरिया सतपुडा टाइगर रिजर्व बोरी रेंज से 15 बारासिंघा परिक्षेत्र मटकुली के धारगांव बाडे में छोटे गये। सहायक संचालक आशीष खोबरागडे ने बताया कि सतपुडा टाइगर रिजर्व की बोरी रेंज से तीन नर व 12 मादा बारासिंघा परिक्षेत्र मटकुली के धारगांव बाडे में छोडे गये हैं. इस दौरान पशु चिकित्सक उपस्थित रहे।

जनजागरुकता व श्रमदान कार्यक्रम आयोजित

नवभारत न्यूज
नर्मदापुरम प्रदेशभर में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जल संरक्षण को लेकर गतिविधियां आयोजित। इसी क्रम में माखननगर के सेक्टर क्रमांक 02 अंतर्गत नवांकुर संस्था एक्सीलेंस आर्यन सेवा समिति द्वारा ग्राम समौन में संगोष्ठी आयोजित कर अभियान का शुभारंभ किया गया। इस दौरान उपस्थित जन प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों को जल संरक्षण के महत्व की जानकारी देते हुए शपथ दिलाई गई। इसी क्रम में सिवनी मालवा क्षेत्र में नवांकुर संस्था दिशा जन कल्याण सेवा समिति कोलगांव द्वारा श्रमदान कर जल संरक्षण का संकल्प लिया गया। बावड़ी की साफ-सफाई कर अभियान की शुरुआत की गई।

गणगौर पर्व के कार्यक्रम जारी

पिपरिया इस अवसर पर शिव पार्वती के मिलन का उत्सव मनाया जा रहा है। गणगौर पर्व गणगौर आने के 15 दिन पूर्व से शुरू हो जाता है। इस अवसर कुंवारी कन्याये व महिला 16 दिन तक गणगौर की पूजन करती है महिलायें अखंड सौभाग्य के लिये और कुंवारी कन्यायें अच्छे वर की प्राप्ति के लिये यह व्रत करती हैं.

गणगौर महोत्सव | क्षेत्र में गूंजे गणगौर गीत, उत्सव में झूमा जन-जन

गणगौर माता और धनिया राजा को नम आंखों से दी विदाई

नवभारत न्यूज
सिराली, 20 मार्च क्षेत्र में इन दिनों गणगौर महोत्सव की रौनक देखते ही बन रही है। चैत्र माह में मनाया जाने वाला नौ दिवसीय यह पारंपरिक उत्सव पूरे हर्षोल्लास और श्रद्धा भाव के साथ मनाया जा रहा है। गांव-गांव और नगर में झूलो बांध्यो झुली जाए गउर बाई, झुला देबे धनियर राजा देखत मन हर्षाय जैसे पारंपरिक गीतों की मधुर ध्वनि वातावरण को भक्तिमय बना रही है।

महोत्सव के तहत क्षेत्र के कई ग्रामों में गणगौर पावनी बुलाई गई है। आयोजक परिवार पूरे विधि-विधान से माता गणगौर और धनिया राजा की पूजा-अर्चना कर रहे हैं। महोत्सव के प्रथम दिवस सुबह से ही पूजा-पाठ के साथ कार्यक्रमों की शुरुआत हो जाती है। दोपहर में महिलाएं पारंपरिक 'पाती' खेलती हैं, जबकि शाम के समय सामूहिक नृत्य का आयोजन होता है। रात्रि में बाहर से आई भजन मंडलियां अपनी आकर्षक प्रस्तुतियां देती हैं, जिन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं नगरवासी उपस्थित होते हैं। गणगौर महोत्सव का विशेष महत्व राजस्थान और निमाड़ क्षेत्र में अधिक माना जाता है, जहां से इस परंपरा की शुरुआत मानी जाती है। मान्यता के अनुसार, भगवान शंकर और माता पार्वती को ही गणगौर माता और धनिया राजा के रूप में पूजा जाता है। इस दौरान महिलाएं विशेष रूप से पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि और पति की दीर्घायु की कामना करती हैं। कई स्थानों पर यह महोत्सव मनोकामना पूर्ण होने पर भी आयोजित किया जाता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि गणगौर माता से मांगी गई हर मन्नत अवश्य पूरी होती है।

इसी आस्था के चलते लोग मन्नत पूर्ण होने पर इस उत्सव का आयोजन करते हैं और अंतिम दिन भंडारे का आयोजन भी किया जाता है। शुक्रवार को गणगौर माता और धनिया राजा की नगर भ्रमण यात्रा निकाली गई, जो विभिन्न मार्गों से होते हुए राधा-कृष्ण मंदिर पहुंची। इसके पश्चात स्थानीय घाट पर विसर्जन किया गया और नौ दोषी उत्सव का समापन हुआ.

22 मार्च से झकलाय रेलवे गेट रहेगा पूर्णत : बंद, बदलेगा ट्रैफिक रूट

आरओबी निर्माण के बाद इस समस्या से स्थायी राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ेगी

नवभारत न्यूज
सिवनी मालवा 20 मार्च 2026, सिवनी मालवा से शिवपुर जाने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित झकलाय रेलवे गेट (समपार फाटक क्रमांक 218) को रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) निर्माण कार्य के चलते 22 मार्च 2026 से पूर्णतः बंद किया जा रहा है। इस संबंध में रेलवे विभाग द्वारा आधिकारिक सूचना जारी कर दी गई है। इस कार्य के लिए कलेक्टर नर्मदापुरम से पूर्व में ही स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है।

रेलवे विभाग के अनुसार, सिवनी मालवा-शिवपुर मार्ग पर कि.मी. 709/3-5 पर स्थित इस समपार फाटक पर लंबे समय से ओवरब्रिज निर्माण की योजना लंबित थी, जिसे अब अमल में लाया जा रहा है। निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से गेट को पूरी तरह बंद रखा जाएगा। गेट बंद होने के बाद आवागमन को सुचारु बनाए रखने के लिए ट्रैफिक को वैकल्पिक मार्गों पर डायवर्ट किया जाएगा। शिवपुर की ओर जाने वाले वाहन चालक एवं ग्रामीण अब निम्न मार्गों का उपयोग कर सकेंगे. ठाकुर मोहल्ला होते हुए चतरखेड़ा मार्ग ,तवा कॉलोनी के सामने स्थित अंडरब्रिज, बानापुरा होते हुए चतरखेड़ा से झकलाय मार्ग, अस्थायी असुविधा, लेकिन स्थायी समाधान झकलाय रेलवे गेट पर ट्रेनों के आवागमन के दौरान अक्सर लंबा जाम लग जाता था, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। आरओबी निर्माण के बाद इस समस्या से स्थायी राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि निर्माण अवधि में लोगों को अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ेगी, जिससे असुविधा हो सकती है। प्रशासन और रेलवे विभाग ने आमजन से अपील की है कि वे निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें, ट्रैफिक नियमों का पालन करें और निर्माण कार्य में सहयोग करें। वाहन चालकों को सलाह दी गई है कि वे यात्रा से पहले मार्ग की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें, ताकि अनावश्यक परेशानी से बचा जा सके।